O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Periodic Test 1(Round-1) (2025 – 2026)

Class : XI MM: 20

Subject: Hindi **Time: 1 :00 Hr**

Name: .---------- Roll No.:_____

सामान्य निर्देश: सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

प्र01 अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

दबाव में काम करना व्यक्ति के लिए अच्छा है या नहीं, इस बात पर प्रायः बहस होतीहै। कहा जाता है कि व्यक्ति अत्यधिक दबाव में नकारात्मक भावों को अपने ऊपर हावी कर लेता है, जिससे उसे अक्सर कार्य में असफलता प्राप्त होती है। वह अपना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी खो बैठता है। दबाव को यदि ताकत बना लिया जाए, तो न सिर्फ सफलता प्राप्त होती है,बल्कि व्यक्ति कामयाबी के नए मानदंड रचता है। ऐसे बहुत सारे उदाहरण हैं जब लोगों ने अपने काम के दबाव को अवरोध नहीं, बल्कि ताकत बना लिया। 'सुख-दुःख, सफलता असफलता, शांति- क्रोध और क्रिया-कर्म हमारे दृष्टिकोण पर ही निर्भर करता है। 'जोंस सिल्वा इस बात से सहमत होते हुए अपनी पुस्तक 'यू द हीलर' में लिखते हैं कि मन मस्तिष्क को चलाता है और मस्तिष्क शरीर को । दबाव में व्यक्ति यदि सकारात्मक होकर काम करे,तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब होताहै। दबाव के समय मौजूद समस्या पर ध्यान केंद्रित करने और बोझ महसूस करने की बजाय यदि यह सोचा जाए कि हम अत्यंत सौभाग्यशाली हैं, जो एक कठिन चुनौती को पूरा करने के लिए तत्पर है तो हमारी बेहतरीन क्षमताएँ स्वयं जागृत हो उठती हैं। हमारा दिमाग जिस चीज़ पर भी अपना ध्यान केंद्रित करने लगता है,वह हमें बढ़ती प्रतीत होती है। यदि हम अपनी समस्याओं के बारे में सोचेंगे,तो वे और बड़ी होती महसूस होंगी। अगर अपनी शक्तियों पर ध्यान केंद्रित करेंगे,तो वे भी बड़ी महसूस होंगी। इस बात को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि 'जीतना एक आदत है, पर अफसोस ! हारना भी आदत ही है'।

(क) मनुष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कब कर सकताहै? (1)

(i) जब वह मौजूदा समस्या पर ध्यान केंद्रित करता है।

(ii) जब वह अपनी शक्तियों पर ध्यान केंद्रित करता है।

(iii) जब वह सकारात्मक होकर बेहतरीन क्षमता से कार्य करता है।

(iv) जब वह सजग एवं जाग्रत. होता है

(ख) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए। (1)

1. कार्य के दबाव को नकारात्मक भाव से अपनाने वाला व्यक्ति असफल हो जाता है।

2. कार्य के दबाव को चुनौतीपूर्ण मानकर सकारात्मकता से परिपूर्ण रहने पर सफलता अर्जित की जा सकती है।

3. कार्य की सफलता या कठिनाई मनुष्य के दृष्टिकोण पर निर्भर करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?

(i) 1, 2 और 3 (ii) 2 और 3 (iii) 1 और 3 (iv) 1 और 2

(ग) निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं उसक बाद दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए। (1)

कथन (A) "जीतना एक आदत है, पर अफसोस ! हारना भी आदत ही है।"

कारण (R) जीत व हार मनुष्य के दृष्टिकोण पर निर्भर है।

सकारात्मक दृष्टिकोण रखने पर सफलता व नकारात्मक होने पर असफलता निश्चित है।

(1) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ii) कथन (A) गलतहै, लेकिन कारण (R) सही है।

(iii) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(iv) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

(घ) दबाव हमारी सफलता का कारण कब और कैसे बन सकता है ? (1)

(ङ) दबाव में काम करने के नकारात्मक प्रभाव क्या होंगे ? (1)

प्र02 आपके विद्यालय में वृक्षारोपण समारोह संपन्न हुआ है। इसका विवरण देते हुए किसी समाचार–पत्र के संपादक को पत्र लिखकर इसे प्रकाशित करने का अनुरोध कीजिए। (5)

प्र03 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क 'नमक का दारोगा' कहानी का कौन–सा पात्र आपको सर्वाधिक प्रभावित करता है और क्यों ? (3)

अथवा

ग 'नमक का दारोगा' कहानी धन पर धर्म की विजय की कहानी है।प्रमाण द्वारा स्पष्ट कीजिए । (3)

ख पंडित अलोपीदीन मुंशी वंशीधर को किस प्रकार प्रसन्न करना चाहते थे ? (2)

प्र04 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क ईश्वर एक है । इसके समर्थन में कबीर ने क्या–क्या तर्क दिए हैं ? (3)

अथवा

ख कबीर ने अपने को दीवाना क्यों कहा है ? (3)

ग कबीर ने मनुष्य को किन दोषों से बचने की चेतावनी देता है ? (2)